

https://farid.ps/articles/vueling_incident_was_not_antisemitism/hi.html

व्यूलिंग घटना यहूदी-विरोधी नहीं थी। यह ज़ायनवादी कथानक युद्ध था।

23 जुलाई 2025 को, स्पेन के वालेंसिया में मनीसेस हवाई अड्डे पर, लगभग 50 यहूदी बच्चों और किशोरों, जिनकी उम्र 10 से 15 वर्ष के बीच थी, को पेरिस जाने वाली व्यूलिंग एयरलाइंस की उड़ान से हटा दिया गया। इजरायली और यहूदी मीडिया आउटलेट्स की तत्काल रिपोर्टें के अनुसार, समूह केवल टेकऑफ से पहले हिब्रू गीत गा रहा था जब उन्हें अचानक और अनुचित रूप से निकाल दिया गया। इजरायल के डायस्पोरा मामलों के मंत्री, अमीचाई चिकली, ने इस घटना को जल्दी से “गंभीर यहूदी-विरोधी घटना” करार दिया, जिसने ज़ायनवादी-संरेखित प्लेटफार्मों पर आक्रोश की लहर पैदा कर दी।

लेकिन व्यूलिंग एयरलाइंस और स्पेनिश अधिकारियों ने एक अलग कहानी बताई - यह धार्मिक भेदभाव की नहीं, बल्कि बार-बार और खतरनाक रूप से विमानन सुरक्षा कानूनों का पालन न करने की थी। सांस्कृतिक अभिव्यक्ति पर एक साधारण गलतफहमी से दूर, यह घटना एक परेशान करने वाला पैटर्न उजागर करती है: यहूदी-विरोधी आरोपों का रणनीतिक हथियारीकरण, दुराचार से ध्यान हटाने, आलोचना को चुप कराने, और यहूदी पीड़ित की कथानक को मजबूत करने के लिए, भले ही नस्लवादी, संभवतः नरसंहारकारी व्यवहार के विश्वसनीय आरोपों के सामने हो।

ज्ञात तथ्य: व्यवधान, छेड़छाड़, और कानूनी प्रतिक्रिया

व्यूलिंग एयरलाइंस द्वारा 24 और 25 जुलाई को जारी दो विस्तृत बयानों के अनुसार, समूह ने “अत्यधिक व्यवधानकारी व्यवहार” में भाग लिया, जिसमें शामिल था:

- कानूनी रूप से अनिवार्य सुरक्षा ब्रीफिंग को बार-बार बाधित करना
- आपातकालीन उपकरणों, जैसे ऑक्सीजन मास्क और लाइफ जैकेट, के साथ छेड़छाड़ करना
- कथित तौर पर एक उच्च दबाव ऑक्सीजन सिलेंडर तक पहुंचने का प्रयास
- उड़ान कर्मचारियों के प्रति “टकरावपूर्ण रवैया” प्रदर्शित करना

एयरलाइन के कर्मचारियों ने स्थिति को फ्लाइट डेक तक बढ़ाया, और **यूरोपीय संघ विनियमन CAT.GEN.MPA.105(a) (4)** के तहत - जो कप्तान को सुरक्षा को खतरे में डालने वाले किसी भी यात्री को हटाने का अधिकार देता है - समूह को उतारने का निर्णय लिया गया। **स्पेनिश सिविल गार्ड** ने इस हटाने को लागू किया।

महत्वपूर्ण रूप से, बच्चों के साथ आए 21 वर्षीय युवा शिविर निदेशक को गिरफ्तार किया गया, हथकड़ी लगाई गई, और अधिकारियों के खिलाफ प्रतिरोध करने का आरोप लगाया गया। उल्लेखनीय है कि स्पेनिश अधिकारी - जो आमतौर पर पर्यटकों और युवा यात्रियों के छोटे-मोटे दुराचार को नजरअंदाज करते हैं - ने दृढ़ता से कार्रवाई की और औपचारिक कार्यवाही शुरू की।

व्यूलिंग ने जोर देकर कहा कि धर्म या भाषा का निर्णय में कोई भूमिका नहीं थी, और तब से कोई सबूत सामने नहीं आया है जो इस दावे का खंडन करता हो।

नस्लवादी और नरसंहारकारी नारों के आरोप

सत्यापित नहीं हुए, लेकिन व्यापक रूप से प्रसारित सोशल मीडिया पोस्ट और यात्रियों की गवाही में आरोप लगाया गया कि समूह ने केवल हिब्रू गीत नहीं गाए - बल्कि स्पष्ट रूप से नस्लवादी नारे जैसे “अरबों को मारो” और “उनके गांव जलें” चिल्लाए। एक यात्री ने दावा किया कि समूह ने एक अन्य यात्री पर थूक दिया, जिसने फलस्तीन के समर्थन में अपनी राय व्यक्त की थी।

यदि ये बयान आंशिक रूप से भी सत्य हैं, तो वे घृणा भाषण का गठन करते हैं। और जेनोसाइड कन्वेशन के अनुच्छेद III के तहत, जिसके स्पेन एक हस्ताक्षरकर्ता है, नरसंहार करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावा एक दंडनीय अपराध है। स्पेनिश अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए बाध्य होना पड़ता।

यहाँ असहज वास्तविकता है: कानून प्रवर्तन एक युवा समूह के नेता को शोरगुल वाली उड़ान या फुलाए गए लाइफ जैकेट के लिए हथकड़ी नहीं लगाता। लेकिन यह तेजी से कार्रवाई करता है जब नस्लवादी उकसावे के विश्वसनीय आरोपों का सामना होता है, विशेष रूप से सार्वजनिक परिवहन में जिसमें अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल होते हैं। हालांकि ये आरोप अभी तक सत्यापित नहीं हुए हैं, उनकी विश्वसनीयता - और प्रतिक्रिया की समानुपातिकता - यह सुझाव देती है कि स्पेनिश पुलिस ने केवल दुराचार से अधिक के लिए प्रतिक्रिया दी।

वह गिरफ्तारी जिसे ज्ञायनवादी मीडिया समझाएगा नहीं

शुरू से ही, ज्ञायनवादी-संरेखित मीडिया और अधिकारियों ने एक एकल, भावनात्मक रूप से प्रभावशाली कहानी को बढ़ावा दिया: यहूदी बच्चों को हिब्रू में गाने के लिए दंडित किया गया। यह कथानक जल्दी ही तथ्यों को दबा देता है, जिसमें शामिल हैं:

- एयरलाइन की दस्तावेजी सुरक्षा चिंताएँ
- संभावित गंभीर उल्लंघनों की मौजूदगी
- समूह के लिए जिम्मेदार वयस्क की गिरफ्तारी
- नस्लीय उकसावे की संभावना

यहाँ तक कि जब व्यूलिंग और गार्डिया सिविल ने विस्तृत, संतुलित स्पष्टीकरण जारी किए, प्रमुख हस्तियों ने इस घटना को धार्मिक घृणा अपराध के रूप में चित्रित करने पर जोर दिया। लेकिन उन्होंने यह समझाने से इनकार कर दिया कि स्पेनिश पुलिस किसी को गाने के लिए क्यों हिरासत में लेगी। यह कहानी केवल तभी टिकती है जब आप व्यवहार के संदर्भ को जानबूझकर छोड़ देते हैं - और यह चूक संयोगवश नहीं है। यह रणनीतिक है।

यह ज्ञायनवादी नियमावली है: पीड़ित बनाना एक विचलन के रूप में

एक अनुशासनात्मक घटना को अंतरराष्ट्रीय यहूदी-विरोधी घोटाले में बदलना एक अलग-थलग प्रकरण नहीं है - यह एक विधि है। ज्ञायनवादी प्रवचन लंबे समय से यहूदी पीड़ित होने पर जोर देने पर निर्भर करता है, जबकि उस राजनीतिक या व्यवहारिक संदर्भ को छोड़ देता है जो प्रतिक्रिया को उकसा सकता था। यह रणनीति भेदभाव को साबित करने से नहीं, बल्कि नैतिक आतंक पैदा करने से काम करती है: यहूदी अभिनेताओं के खिलाफ कोई भी चुनौती यहूदी-विरोधी में निहित होनी चाहिए।

हमने इस पैटर्न को 7 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद बहुत बड़े पैमाने पर देखा, जहां 1,200 इजरायलियों की हत्या और 250 का अपहरण वैश्विक आतंक के साथ हुआ - जबकि उससे पहले की संरचनात्मक हिंसा को मिटा दिया गया। फलस्तीनियों की सामूहिक हिरासत, वेस्ट बैंक में फलस्तीनी बच्चों के लिए रिकॉर्ड पर सबसे घातक वर्ष, और अवैध बस्तियों का हिंसक विस्तार को हटा दिया गया ताकि नैतिक ध्यान पूरी तरह से इजरायल की पीड़ा पर केंद्रित रहे।

परिणाम: कथानक असमिति। एक पक्ष को हमेशा पीड़ित के रूप में चित्रित किया जाता है, दूसरा पक्ष बिना कारण आक्रामक के रूप में - भले ही वे दशकों के कब्जे, वंचन और रंगभेद का जवाब दे रहे हों।

बच्चे भी नरसंहार के नारे लगा सकते हैं

यह कहना असहज है, लेकिन आवश्यक है: बच्चे नस्लवादी और नरसंहारकारी बयानबाजी में भाग ले सकते हैं। हमने इसे बसाहट स्कूलों, अति-राष्ट्रवादी शिविरों और इजरायली सैन्य समारोहों में देखा है। यदि व्यूलिंग के यात्री वास्तव में अरबों की मौत या उनके गांवों के विनाश के लिए नारे लगाए, तो उनकी उम्र उस कृत्य की नैतिक या कानूनी गंभीरता से मुक्ति नहीं देती।

उन्हें मासूमियत की कथानक के साथ ढालने के बजाय, ऐसी घटनाओं को चिंतन के लिए मजबूर करना चाहिए: कैसी वैचारिक प्रशिक्षण बच्चों को वाणिज्यिक हवाई जहाज में नस्लीय हिंसा के नारे लगाने के लिए प्रेरित करता है? और यह सवाल अपमानजनक क्यों माना जाता है, लेकिन यहूदी-विरोधी का झूठा आरोप नहीं?

निष्कर्ष: यह कथानक युद्ध था, न कि धार्मिक उत्पीड़न

व्यूलिंग एयरलाइंस की घटना कोई रहस्य नहीं है - यह एक केस स्टडी है कि कैसे ज़ायनवादी अधिकारी और मीडिया यहूदी-विरोधी के आरोप को जवाबदेही से बचाने के लिए हथियार बनाते हैं। दस्तावेजी सुरक्षा उल्लंघन, चालक दल और कानून प्रवर्तन की समानुपातिक प्रतिक्रिया, और समूह के नेता की गिरफ्तारी सभी यह सुझाव देते हैं कि यह भेदभाव का मामला नहीं था, बल्कि गंभीर दुराचार का था - संभवतः नस्लवादी और आपराधिक प्रकृति का।

जो हुआ वह एक परिचित विकृति थी: ज़ायनवादी आक्रोश, सबूतों से अलग, यहूदी पीड़ित को फिर से केंद्र में लाने और जांच को दबाने के लिए तैनात किया गया।

यदि सत्य मायने रखता है, तो हमें झूठे संतुलन का विरोध करना होगा। यदि न्याय मायने रखता है, तो हमें तथ्यों और कल्पना को समान मानने से इनकार करना होगा। और यदि हमें वास्तविक यहूदी-विरोधी और वास्तविक नस्लवाद को समाप्त करने की परवाह है, तो हमें इस घटना को वही कहना शुरू करना होगा जो यह थी: **जवाबदेही को उत्पीड़न में बदलने का प्रयास, कथानक हेरफेर की शक्ति के माध्यम से।**